

SRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY



Institute Of Media Studies

Topic : Analyze the development related news from two newspapers of Lucknow

Name : Shalini Rai
Course : MAJMC
Roll No. : 202110401020001

Submitted To:
Mr. Anshuman Rana

अध्याय 1

परिचयविकास संबंधित अखबारों से विकास संबंधित खबरों का विश्लेषण करना है कि आज के समय में कितना विकास हो रहा है किस तरीके से विकास हो रहा है कहां विकास हुआ है कहां नहीं विकास है इन सब खबरों का हमें दो अखबारों से विश्लेषण करना है किस अखबार में कितने विकास संबंधित खबरें निकलती हैं किस तरीके से उसको छापा जाता है किस तरीके से जनता तक पहुंचाया जाता वह सब खबरों का हमें विश्लेषण करना है दो अखबारों से पहला अखबार हमारा दैनिक जागरण और दूसरा द भास्कर न्यूज़ पेपर से इन दोनों अखबारों से हमें विकास संबंधित खबरों का सही तरीके से विश्लेषण करना है समुदाय-आधारित भागीदारी अनुसंधान में व्यक्तिगत, सामाजिक और सामुदायिक स्तरों पर राय और व्यवहार परिवर्तन के लिए शिक्षित और वकालत करने के लिए किया गया है। अभियानों में अक्सर प्रभावित करने के लिए मीडिया समर्थन के प्रयास शामिल होते हैं। मीडिया सामग्री सहित: मीडिया तक पहुंच प्राप्त करना, मीडिया के साथ नियमित संपर्क करना, मुद्दों को तैयार करना और मीडिया सामग्री को रखना। समाचार पत्र मीडिया का एक रूप है जो मुद्दों को जनता के सामने पेश करता है और किसी मुद्दे के लिए सामुदायिक समर्थन जुटाने में मदद कर सकता है, साथ ही प्रतिबिंबित कर सकता है। स्थानीय समाचार पत्रों की निर्गोनी की सिफारिश की गई है क्योंकि वे एक समुदाय के स्थानीय संदर्भ के करीब हैं और सार्वजनिक और सामुदायिक नेताओं के लिए एक मंच के रूप में काम कर सकते हैं

क्रियाविधि

मैं कंटेंट एनालिसिस मेथडोलॉजी के जरिए रिसर्च करना चाहता हूं। सामग्री विश्लेषण एक पद्धति है जिसमें मैं यूपी के दो हिंदी दैनिकों- दैनिक जागरण और द भास्कर के पहले पन्ने की सामग्री का विश्लेषण करूंगा। मैं अपने शोध में दो समाचार पत्रों की सामग्री में अंतर खोजने के लिए सामग्री विश्लेषण पद्धति का उपयोग करता हूं। इस पद्धति की मदद से मैं उन ग्रंथों के निर्माताओं और दर्शकों के बारे में भी अनुमान लगा सकता हूं, जिनका वे विश्लेषण करते हैं, अध्ययन एक सरल वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक सामग्री विश्लेषण है, हालांकि दो हिंदी समाचार दैनिकों-दैनिक जागरण और द भास्कर बीच रिकॉर्डिंग इकाइयों (समाचार) की अधिकतम संख्या के आधार पर अंतर का पता लगाने के लिए पहले पृष्ठ की सामग्री का मात्रात्मक अनुमान लगाया गया था। आइटम, फोटो, विज्ञापन) छह परिभाषि

अध्याय 3:

अनुसंधान डिजाइन यह अध्याय किए गए शोध कार्य के तरीकों और तकनीकों के लिए समर्पित है। अनुसंधान डिजाइन को निम्नलिखित वर्गों के तहत वर्गीकृत किया गया है: • कार्यप्रणाली

अवधि

सैम्पलिंग

डेटा संग्रह और विश्लेषण

औचित्य मैं इस शोध को सामने की सामग्री में अंतर देखने के लिए करना चाहता हूँ। पी ले दैनिक जागरण और द भास्कर दो हिंदी दैनिकों का पेज। मैं जो डेटा एकत्र करूँगा, वह ज्ञान, नई अंतर्दृष्टि, तथ्यों का एक उदाहरण और कार्रवाई के लिए एक यथार्थवादी मार्गदर्शिका प्रदान करने के उद्देश्य से सहायक होगा। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि समाचार पत्रों के चयन का आधार सर्कुलेशन रीडरशिप होना चाहिए। उनका यह भी मत था कि भारत विविध जनसंख्या वाला देश है

अध्ययन की आवश्यकता इस

शोध की आवश्यकता है: अगस्त के पूरे महीने में कवर की गई मुख्य समाचारों का पता लगाने के लिए। • पहले पन्ने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न प्रकार की खबरों का अंदाजा लगाने के लिए। • अपने दर्शकों के लिए समाचार कवरेज और इसकी प्रासंगिकता की तुलना करना। अध्ययन का उद्देश्य दो हिंदी दैनिकों के पहले पन्ने पर कुल समाचारों की संख्या का अध्ययन करना विभिन्न विषयों और फोंट की पहचान और अध्ययन करने पर बल दिया गया है। • दोनों अखबारों की सामग्री में अंतर का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन की सीमाएं

- सामग्री विश्लेषण सैद्धांतिक और प्रक्रियात्मक दोनों तरह के कई नुकसानों से ग्रस्त है अत्यधिक समय लेने वाला हो सकता है
- बड़ी हुई त्रुटि के अधीन है, खासकर जब संबंध परक विश्लेषण का उपयोग किया जाता है उच्च स्तर की व्याख्या प्राप्त करने के लिए अक्सर सैद्धांतिक आधार से रहित होता है, या बहुत उदारतापूर्वक आकर्षित करने का प्रयास करता है। मैं निहित संबंधों और प्रभावों के बारे में सार्थक निष्कर्ष अध्ययन
- स्वाभाविक रूप से रिडक्टिव है, विशेष रूप से जटिल ग्रंथों के साथ व्यवहार करते समय • बहुत बार केवल शब्द गणना से मिलकर बनता है • अक्सर उस संदर्भ की अवहेलना करता है जिससे पाठ उत्पन्न हुआ, साथ ही साथ पाठ के निर्मित होने के बाद चीजों की स्थिति • स्वचालित या कम्प्यूटरीकृत करना मुश्किल हो सकता है